चाओ वीरो सती दादी भजन | बग्गड़ नगरी प्यारी

बग्गड़ नगरी प्यारी,जहां दादी का दरबार,
दर्शन करले प्राणी,जीवन मिले ना बारम्बार |

सूरज की किरणे तेरी ज्योति जगाये,
चन्दा की किरणे तेरी आरती गाये |
टिम-टिम करते तारे,जैसे पायल की झंकार,
दर्शन करले प्राणी,जीवन मिले ना बारम्बार |

भगति तेरी है मईया गंगा की धारा,
शक्ति तेरी है मईया यमुना की धारा |
भक्ति-शक्ति के संगम में जीवन का उद्धार,
दर्शन करले प्राणी,जीवन मिले ना बारम्बार |

जल थल नभ सब तेरे सहारे,
ममतामयी माँ तुझको भगत पुकारे |
सुनले करुण पुकार मईया,करदे बड़ा पार,
दर्शन करले प्राणी,जीवन मिले ना बारम्बार |

अम्बे जगदम्बे काली नाम है तेरा,
कष्ट मिटाना सबका काम है तेरा |
सेवक गाये,धूम मचाये तेरी जय जैकार,
दर्शन करले प्राणी,जीवन मिले ना बारम्बार |

बग्गड़ नगरी प्यारी,जहां दादी का दरबार,
दर्शन करले प्राणी,जीवन मिले ना बारम्बार |

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1142/title/chao-veero-sati-dadi-bhajan-baggad-nagri-pyari-with-lyrics

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |